teachers, grades were revised to 550—900 on 4th January, 1973. Similarly for principals the grades were further enhanced to 1100—1600 with effect from 1st January. 1973. As you know in different sectors of our life there is a lot of demands for increasing pay Even judges had gone out in procession demanding increased pay scales What I have stated in my substantive statement is that the whole thing can be discussed on a broad perspective, not by way of *ad hoc* revision; that is what I have stated As regards public schools, may I add to your observation that I have studied in an ordinary government school and all my sons have studied in government schools

श्री राज नारायण : उपाध्यक्ष महोदय, मैं व्यवस्था का प्रश्न उठाना चाहता हूं। क्या मंत्री जी को यह अधिकार आप देंगे कि वे जानबूझ कर सदन को गुमराह करें ? मंत्री जी जनता पार्टी की सरकार के शिक्षा मंत्री हैं और जनता पार्टी के चुनाव घोषणा-पत्र में लिखा है कि समान शिक्षा . .

SHRI C. N VISVANATHAN (Tirupattur): Not of Janata party, Education Minister of India.

श्री राज नारायण : शायद माननीय मंत्री जी को इस बात का ख्याल न हो—उन को सरकार में रहते हुए दो साल हो गये हैं . . .

उपाध्यक्ष महोदय : यह कोई प्वाइन्ट आफ आर्डर नहीं है, यह तो पालिसी की बात है।

श्री राज नारायण : हमारी मुसीबत यह है कि हम ने 19 तारीख को कालिंग-एटेन्शन दिया था, लेकिन हमारा नाम नहीं आता है।

उपाध्यक्ष महोदय : वहां बैलेट होता है।

श्री राज नारायण : आप कोई ऐसी व्यवस्था करें कि जो लोग नाम दें और बैलेट में उन का नाम नहीं आये, तो भी उन्हें कुछ क्वेश्चन्ज पूछने का अधिकार हो।

उपाध्यक्ष महोदय : आप रूल्ज कमेटी को लिख कर भेज दीजिये।

श्री राज नारायण : उन को भी लिख दूंगा, लेकिन क्या आप मंत्री जी को अधिकार देंगे कि वे धमकी दें . . .

उपाध्यक्ष महोदय : कोई धमकी नहीं दी है।

12.58 hrs

COMMITEE OF PRIVILEGES

FIFTH REPORT

PROF. SAMAR GUHA: (Contai): I beg to present the Fourth Report (Hindi and English versions) of the Committee of Privileges.

COMMITTEE ON SUBORDINATE LEGISLATION

SEVENTH REPORT

SHRI SOMNATH CHATTERJEE (Jadavpur): I beg to present the Seventeenth Report (Hindi and English versions) of the Committee on Subordinate Legislation

---

PETITION RE INCREASE IN PRICES DUE TO BUDGET PROPOSALS

SHRIMATI MOHSINA KIDWAI (Azamgarh): I beg to present a petition signed by Shrimati Tajdar Babar and others regarding increase in prices due to Budget proposals

---

ELECTION TO COMMITTEE

CENTRAL COMMITTEE OF TUBERCULOSIS ASSOCIATION OF INDIA

THE MINISTER OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRI RABI RAY): I beg to move:

"That in pursuance of clause 3 (vii)(a) of the Rules and Regulations of the Tuberculosis Association of India, the members of this House do proceed to elect, in such

manner as the Speaker may direct, two members from among themselves to serve as members of the Central Committee of the Tuberculosis Association of India."

MR. DEPUTY-SPEAKER: The questions is:

"That in pursuance of clause 3(vii) (a) of the Rules and Regulations of the Tuberculosis Association of India, the members of this House do proceed to elect, in such manner as the Speaker may direct, two members from among themselves to serve as members of the Central Committee of the Tuberculosis Association of India."

The motion was adopted.

---

13 hrs.

MERCHANT SHIPPING (AMENDMENT) BILL*

THE MINISTER OF STATE IN CHARGE OF THE MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT (SHRI CHAND RAM): Sir, I beg to move for leave to introduce a Bill further to amend the Merchant Shipping Act, 1958.

MR. DEPUTY-SPEAKER: The question is:

"That leave be granted to introduce a Bill further to amend the Merchant Shipping Act, 1958."

The motion was adopted.

SHRI CHAND RAM: I introduce the Bill.

13.01 hrs.

MATTERS UNDER RULE 377

(i) Reported storage difficulties of Potato growers of Farukhabad district of Uttar Pradesh

श्री राम प्रकाश त्रिपाठी (कन्नौज) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं नियम 377 के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश के उन जिलों के किसानों की दुखभरी आवाज यहां प्रस्तुत कर रहा हूं और विशेषकर फारुखाबाद जिले के किसानों की, जहां सम्पूर्ण एशिया में सब से अधिक आलू का उत्पादन होता है। फारुखाबाद, इटावा, कानपुर, मैनपुरी और उस के आसपास के जिलों में इस वर्ष आलू की उपज बहुत अधिक हुई है। यह अधिक उत्पादन वहां के किसानों के लिए अभिशाप हो गया है। तीन तरह से किसान इस समय मारा जा रहा है। पहले तो आलू को भयंकर तूफान और वर्षा से नुकसान पहुंचा है। दूसरे रेलवे के वैगन न मिलने के कारण आलू वहां पर बहुत सस्ता हो गया है और तीसरे जो कोल्ड स्टोरेज के मालिक हैं, उन्होंने एक षडयन्त्र कर रखा है। वे अपना आलू सस्ते दामों पर खरीद कर कोल्ड स्टोरेज में रख रहे हैं और किसानों का आलू हजारों और लाखों क्विंटल की संख्या में रोड पर धूप में पड़ा पड़ा सड़ रहा है। इसलिए इस ओर मैं केन्द्रीय सरकार का ध्यान बड़ी गम्भीरता के साथ आकृष्ट कर रहा हूं। दुर्भाग्य यह है कि नियम 377 के अन्तर्गत जो मामला हम उठाते हैं, उस को न तो कोई मंत्री सुनता है और न उस का जवाब देता है। मैंने इस विषय पर काल एटेंशन के नोटिस भी दिये लेकिन वे आते नहीं। उपाध्यक्ष जी, जब तक इस विषय पर चर्चा नहीं होगी, कुछ नहीं होगा। किसान मर रहे हैं और वहां पर न कोई मंत्री सुनने वाला है और न जवाब देने वाला है। मेरा कहना यह है कि इस विषय पर चर्चा होनी चाहिए। . . (व्यवधान) . .

---

*Published in Gazette of India Extraordinary Part, II section 2. dated 22nd March 1979.